(73)

स्वतन्त्र भारत में महिलाओं की राजनीतिक जागरूकता एवं सहभागिता

डॉ0 सीमा देवी*, कुलदीप**

*असि0 प्रोफे0, **शोधार्थी, राजनीतिविज्ञान विभाग, कु0 मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर, गौतमबुद्धनगर (उ0प्र0)

सारांश

स्वतन्त्र्योत्तर भारत में महिलाओं की राजनीतिक जागरूकता एवं सहभागिता पर किसी गम्भीर टिप्पणी करने से पूर्व अवश्य ही उन स्थितियों पर दृष्टिपात कर लेना चाहिये जिनके परिणामस्वरूप भारतवर्ष स्वतन्त्रता की रोशनी प्राप्त कर सका था। भारतीय राष्ट्रीय स्वातन्त्र्य समर का विश्लेषण करने वाले अधिकांश इतिहास, विश्लेषक एवं स्वतन्त्र शोधकर्ता इस बात को स्वीकार करते हैं कि भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन गहन राजनीतिक मुक्ति का आन्दोलन नहीं था अपितु यह भारतवर्ष के समग्र पुनरूत्थान एवं यथोपयोगी पुनर्निर्माण का आन्दोलन था।

महिलाएँ जो सामान्यतः सभी समाजों का लगभग आधा हिस्सा होती है, को भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन में सक्रिय सहभागिता करते देखा गया, जिससे न केवल उनका राजनीतिक समानीकरण हुआ अपितु उनमें अपने अधिकारों के प्रति संचेतना भी जाग्रत हुई। भारतीय संविधान निर्मात्री सभा ने भी राजनीतिक प्रणाली में महिलाओं की सक्रिय सहभागिता को सुनिश्चित करने के लिये उन्हें सभी मामलों में बराबरी का अधिकार दिया। राज्य के नीति निर्देश तत्वों में भी महिलाओं की गरिमा को सुनिश्चित करने विषयक प्रावधान जोड़े गये।

प्रस्तुत शोध पत्र में भारतीय स्वतन्त्रता आन्दोलन के फलस्वरूप संविधान निर्मात्री सभा द्वारा महिलाओं की जागरूकता एवं सहभागिता से संबंधित जो बीजारोपण किया गया था उसका प्रस्फुटन एवं पल्लवन किस दिशा में, कितना एवं कैसे हुआ है को रेखांकित करने का प्रयास करना है।

~~Reference to this paper~~ should be made as follows:

डॉ0 सीमा देवी, कुलदीप

स्वतन्त्र भारत में महिलाओं की राजनीतिक जागरूकता एवं सहभागिता

RJPP 2018,
Vol. 16, No. 2, pp. 1-7
Article No. 1

Online available at :
http://anubooks.com/?page_id=2004